List

I. The Banks were allowed to appoint their own subbrokers to market the Bonds and pay brokerage to them at the approved rates and not on incremental basis, at the option of the broker.

II. The banks were not eligible for brokerage and/or collecting bank's commission for subscription mobilised by them from 16.12.1991. The brokerage payable to the sub brokers was required to be borne by the respective banks.

III. The rupee equivalent of the funds mobilised by them was required to be placed with them by SBI till the date of maturity of IDBs.

IV. Interest on the funds is payable by the banks to SBI every half year at the coupon rates of IDBs as also the principal amount.

V. A one time service fee of one per cent is payable unfront to SBI on the amount of funds placed with them to reimbures part of the expenses for publicity, printing etc. and for post issue servicing charges which will be borne by SBI.

Rupee Rouble Exchange Rate

III. SHRI MOHINDER SINGH LATHER: Wiil the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been disagreement between Jndia and Russia over Rupee Rouble exchange rate;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) what steps have been taken by Government of India in this regard?

The MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI RAMESH WAR THAKUR): (a) to (c) Two rounds of inter-Governmental official level discussions have been held to discuss revision of the Rupee-Rouble exchange rate with is based on the November, 1978 protocol. The discussions have been inconclusive so far.

सकल घरेलू उत्पादन में गिरावट

112. **श्री रणजीत सिंह:**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 8 फरवरी, 1992 को फाइनेंसियल एक्सप्रेस में जी डी पी राइजिज बाई 5.6 परसेंट शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) क्या यह सच है कि सकल घरेलू उत्पादन की दर में पिछले कुछ वर्षों में लगातार गिरावट आ रही है;

(ग) यदि हां, तो 1988-89 और 1989-90 के वर्षों के दौरान सकल घरेलू उत्पादन की वर्षवार दर कितनी-कितनी थी;

(घ) क्या यह भी सच है कि अनेक अर्थशास्त्रियों ने यह आशंका व्यक्त की है कि सकल घरेलू उत्पादन की दर चालू वर्ष के दौरान 3 प्रतिशत तक गिर सकती है; और

(ङ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार की प्रतिक्रिया क्या है?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) 1986-87 से लेकर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दरें नीचे दी गई हैं:

वर्ष	सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर
1986-87	4.3
1987-88	4.2
1988-89	10.5
1989-90	6.0
1990-91	5.6

(घ) और (ङ) विभिन्न बृहत्-आर्थिक परिवर्तनों के अनन्तिम अनुमानों से पता चलता है कि अर्थव्यवस्था में 1991-92 में 2 से 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज होने की संभावना है। पूर्वानुमानित निम्न सकल घरेलू उत्पादन वृद्धि का कारण मुख्यतः वर्ष के पहले आठ महीनों (अप्रैल—नवम्बर) के दौरान औद्योगिक उत्पादन में कमी होना और सामान्य मानसून की बजाय कम मानसून होना रहा जिससे पिछले वर्ष में प्राप्त किए गए स्तर की अपेक्षा 1991-92 के दौरान खाद्यान्न का उत्पादन कम होने की संभावना है। लेकिन, अन्य क्षेत्रों की तुलना में आधार-भूत ढांचे का अच्छा कार्य निष्पादन होने और सरकार द्वारा आरम्भ किए गए संरचनात्मक सुधारों से अर्थव्यवस्था में जल्दी ही सुधार होने और सतत उच्च वृद्धि पथ पर अग्रसर होने की संभावना है।

राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाली गयी धनराशि

113. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीयकृत बैंक पिछले कुछ वर्षों से भारी धनराशियों को बट्टे खाते में डालते आ रहे हैं;